ज्ञान विचार

सफलता के लिए हमे अपना मार्ग खुद बनाना होता है।

PKL NO.KKR/184/2022-24

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर , आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह

छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233

समस्त भारत में एक साथ प्रसारित

HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 मार्च 2023 वर्ष : 5, अंक : 22 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

गुरु रविदास जी के एतिहासिक अस्थान में सजा मासिक दरबार

बाबा प्रीत रविदासिया टोहाना वालों ने संगत को अमृतवाणी से किया निहाल

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । कुरुक्षेत्र में 12 मार्च को गुरु रविदास जी के एतिहासिक अस्थान में मासिक दरबार सजाया गया जिसमें गुरु घर के सेवक बाबा प्रीत रविदासिया टोहाना वालों ने संगत को अमृतवाणी से निहाल किया। उन्होंने गुरु रविदास जी के बताए मार्ग चलने का आह्वान किया और बताया कि गुरु रविदास महाराज जी के विचारों पर चलकर ही देश व समाज की तरक्की संभव है।

उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज जी ने श्रमदान करने का संदेश दिया। हमें गुरु घरों में सेवा भी करनी चाहिए। भक्ति करने के लिए तन-मन शुद्ध होना भी जरूरी है अर्थात सेवा भी करनी है। तभी भक्ति में मन लगेगा फिर मन शुद्ध होगा। यदि हम मन से आराधना करेंगे तो प्रभु को प्राप्त कर सकते हैं। गुरु रविदास जी ने पूरी मानव जाति के लिए संदेश दिया है। सभी धर्मों का आदर करना है।

हमें पूरी तरह से नतमस्तक होकर दिल एवं दिमाग से प्रभु का सिमरन करना चाहिए। , चंदन बन जांदे ने चंदन कोल वसदे जेहड़े, जो चंदन के पास बसते हैं वो खुद चंदन बन जाते है। जो इंसान संत महापुरुषों की संगत करता है वो एक अच्छा इंसान बनेगा। अच्छे विचार, सोच पैदा होगी। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज जी के विचारों पर चलकर ही देश व समाज की तरक्की संभव है। ,मैं राम नाम धन लाधेया विख लाधी संसार, उन्होंने कहा कि कहा कि गुरु रविदास ने हमेशा ही बाहरी आडंबरों का विरोध किया है,नशे, झूठ, पाखंड और जात-पात के भेदभाव से दूर रहने की बात कही है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम गुरु जी के दिखाए मार्ग पर चलकर सच्चे हृदय से मानवता की सेवा करें।

पूरी मानवता के पथ प्रदर्शक थे संत गुरु रविदास जी

उन्होंने कहा कि संत रविदास किसी जाति या संप्रदाय विशेष के गुरु नहीं थे, बल्कि पूरी मानवता के पथ प्रदर्शक थे। उन्होंने नशा न करने पर जोर दिया, रविदास मदिरा का पीजिए जो चढ़े चढ़े उतराय ,नाम महारस पीजिए जो चढ़े नहीं उतरा, गुरु रविदास जी कहते हैं की ऐसा नशा न करो जो चढ़ कर उतर जाता है। ऐसा नशा करो जो एक बार चढने के बाद नही उतरता। बाहरी नशों से दूर रहो, नशा परिवारों को बर्बाद कर देता है। प्रभु भक्ति का नशा करो।

तन वाले जहर का इलाज संभव लेकिन मन के जहर का नहीं इलाज : बाबा प्रीत रविदासिया

बाबा प्रीत रविदासिया ने कहा कि समाज में दो तरह के जहर ज्यादा पांव पसार रहे हैं एक मन का जहर दूसरा तन का जहर, तन वाले जहर का इलाज संभव है लेकिन मन के जहर का इलाज नहीं हो सकता। जिससे बचने सिर्फ एक ही रास्ता है वो है गुरु रविदास जी महाराज की अमृतवाणी, सत्संग। हम गुरु रविदास जी महाराज के विचारों, शिक्षाओं और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर ही आगे बढ़ सकते हैं।

लंगर सेवा लगाई व हस्पताल की ओर से लगाया मेडिकल जांच शिविर

सिरसला निवासी कर्मवीर सिंह और मीना देवी द्वारा लंगर भंडारे की सेवा लगाई। 9 अप्रैल महीने के मासिक भंडारे की सेवा गांव आलमपुर की ओर से होगी ।मानव सेवा ट्रस्ट के सहयोग से नंद लाल हॉस्पिटल की ओर से मेडिकल कैंप लगाया गया जिसमे निशुल्क शरीर की जांच की गई।

भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंदिर में हुए नतमस्तक

भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत नौटियाल ने गुरु रविदास जी मंदिर में पहुंच कर नमन किया। प्रबंधन कमेटी की ओर से सिरोपा पा कर सम्मान किया।

इस अवसर पर प्रधान सुरजभान नरवाल, रामसरुप ढांडा कैशियर, ओमप्रकाश सचिव, जोगिंद्रो देवी, तरसेम लोहारा, राधा आल्यान, धर्मसिंह क्रांति, सुनील चमारा, पवन सिरसला, सुनील मिर्जापुर, अशोक सुनेहडी, मास्टर नफे सिंग,नौरंग कुमार, पवन लोहारा,मान सिंह, सतबीर कैत, श्यामलाल अढोन,धर्मपाल जागलान, सरपंच बलविंद्र सिंह सिरसला, वीरेंद्र रॉय, बाला देवी, राजरानी, सिंद्रो,सरोज, इन्द्रो, मुन्नी सरोहा,रामकली, बाला देवी, सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने समसपुर गांव में टैंकरों के माध्यम से रोजाना प्रति व्यक्ति 50 से 55 लीटर पानी उपलब्ध करवाने के दिए निर्देश

चरखी दादरी में मुख्यमंत्री ने सुनी जन समस्याएं

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने आज चरखी दादरी में जन संवाद कार्यक्रम में शिकायतों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को समसपुर गांव में टैंकरों के माध्यम से गांव में रोजाना प्रति व्यक्ति 50 से 55 लीटर पानी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

जन संवाद कार्यक्रम में गांव समसपुर की सरपंच नीतू ने पानी निकासी और पेयजल आपूर्ति नहीं होने की शिकायत रखी थी। इस पर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि नियमित जलापूर्ति डेढ़ साल में संभव है। इसके अलावा, गांधीनगर के नगर पार्षद ने दूषित पानी की निकासी से संबंधित शिकायत रखी, इस पर मुख्यमंत्री ने अस्थाई व्यवस्था कर पानी को निकालने के आदेश दिए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि सात दिन में गांधीनगर कालोनी का पानी निकलना चाहिए, उसके लिए चाहे अधिक मोटरें लगवानी पड़े। उन्होंने कहा कि आस पास समसपुर गांव में मनरेगा से पंचायती भूमि पर जोहड़ खुदवा कर जेसीबी मशीन आदि से पानी को वहां डंप करवाया जाए। सीसीआई का भी पानी निकाला जाए।

मुख्यमंत्री को जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता ने बताया कि समसपुर एसटीपी से भाखड़ा हैड तक लाइन बिछा दी गई है, लेकिन एनजीटी ने भिंडावास झील में पानी निकासी की अनुमति नहीं दी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर 10 बीओडी तक की गुणवत्ता का पानी झील में डाला जा सकता है। इस बारे में त्वरित कार्रवाई की जाए।

इसी प्रकार बिजली की 132 केवी लाइन हटवाने से संबंधित आई एक शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मोनोपोल लगाकर इस लाइन को और ऊंचा कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि हाई वोल्टेज तारों के नीचे भवन निर्माण नहीं करना चाहिए।

कार्यक्रम में सीवरेज सफाई का मामला भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने दो माह तक सुपरसकर मशीन को दादरी में रखने के आदेश दिए।

गांव रामनगर की एकता कल्याण समिति ने रामनगर विहार कालोनी को नियमित करवाने के लिए आवेदन किया। मुख्यमंत्री के आदेश पर नगरपरिषद के कार्यकारी अधिकारी ने इस मामले में एक सप्ताह में कार्रवाई का आश्वासन दिया। कालोनी वासियों की मांग पर मुख्यमंत्री ने सडक को चौड़ा करने के मामले में उचित कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

गांव रानीला निवासी मुरारीलाल ने पानी का बिल माफ करवाने के लिए निवेदन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि उसके घर पर पानी ही नहीं आ रहा है, परंतु बिल भेज दिया गया। इस पर सीएम ने कहा कि पानी आने पर ही विभाग बिल लेने का हकदार है। इसके अलावा, दादरी शहर में नगर सुधार मंडल के 42 साल पहले काटे गए प्लाटों का आवंटन करने के मामले में मुख्यमंत्री ने सात दिन में इस पर कार्यवाही करने के आदेश दिए।

FORM IV

Statement About Ownership And Other Particulars About Newspaper (Gajab Haryana)

1. Place Of Publication : Kurukshetra
2. Periodicity of Its Publication : Fortnightly
3. Printer's Name : Jarnail Singh
Nationality : Indian
Address : # 890P, Sector-4, Urben Estate Kurukshetra
4. Publisher's Name : Jarnail Singh
Nationality : Indian
Address : # 890P, Sector-4, Urben Estate Kurukshetra
5. Editor's Name : Jarnail Singh
Nationality : Indian
Address : # 890P, Sector-4, Urben Estate Kurukshetra
6. Printing Press Name : Dhingra Printing Press, Near Aggarsain Chowk, Mohan Nagar, Kurukshetra
7. Names And Addresses Of Individuals Who One The Newspaper And PartnersOr Share Holder Hlding More Than One Per Cent Of The Total Capital.

Jarnail Singh
 # 890P, Sector-4, Urben Estate, Kurukshetra

I Jarnail Singh. hereby declare that the particulard given above Are True to the best of my knowledge and Belief.

Date : 16-03-023 (Jarnail Singh)
Signature of Publisher

जल प्रदूषण से बढ़ता खतरा

देश की एक बड़ी आबादी के पास शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है, न ही जल को स्वच्छ बनाने की तकनीक तक उनकी पहुंच है। ऐसे में जाने-अनजाने लोग अपनी सेहत का नुकसान कर रहे हैं। धरती का तीन चौथाई हिस्सा जल होने के बावजूद केवल एक प्रतिशत हिस्सा हमारी पहुंच में है। अत: जल संरक्षण पर गंभीरता दिखानी होगी। साथ ही, जलस्रोतों को प्रदूषित करने की आदत पर भी नियंत्रण करना होगा।

औद्योगीकरण, शहरीकरण, बढ़ती आबादी के साथ बदलती जलवायु के समांतर स्वच्छ पानी की कमी भी अंतरराष्ट्रीय समस्या बन चुकी है। दिनोंदिन सूखते और दूषित होते जलस्रोतों ने मानवता को कई रूपों में प्रभावित किया है। इसका प्रतिकूल प्रभाव लोगों की सेहत के साथ-साथ पर्यावरण और आर्थिकी पर भी पड़ा है। आंकड़े बताते हैं कि हर साल असुरक्षित पानी लगभग एक अरब लोगों को बीमार करता है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की आधी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है, जहां साल में कम से कम एक महीना जल का गंभीर संकट बना रहता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व में भूजल का सबसे अधिक उपयोग करने वाला देश है। दरअसल, सिकुड़ते जलस्रोत और बढ़ते जल प्रदूषण के कारण भूमिगत जल बड़ी तेजी से दूषित होता जा रहा है। दूषित जल पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता के घटने, जीवन प्रत्याशा में कमी आने और असमय मृत्यु का खतरा भी बढ़ जाता है।

इस संदर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में कुल आबादी का एक चौथाई हिस्सा यानी करीब दो अरब लोग दूषित जल पीने को विवश हैं। इसके खतरे के बारे में डब्ल्यूएचओ का कहना है कि दूषित जल का लगातार सेवन करने से दर्जनों बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दूषित पेयजल पीने को अभिशप्त आबादी को हैजा, टाइफायड, डायरिया, कुपोषण, कैंसर, बाल और पेट संबंधी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। चूंकि जल सार्वभौमिक विलायक है, इसलिए यह आसानी से प्रदूषित हो जाता है। जल में मुख्यतः आर्सेनिक, फ्लोराइड और नाइट्रेट, औद्योगिक तथा कृषि अपशिष्ट, माइक्रोप्लास्टिक, चिकित्सीय कचरा आदि संदूषक मिले होते हैं। तांबा, शीशा, क्रोमियम व रेडियोधर्मी तत्व आदि भी जलस्रोतों के संपर्क में आने पर जल को दूषित कर जानलेवा बना देते हैं।

इसके अलावा अशोधित पानी में जीवाणु, विषाणु और परजीवी जैसे जैव-संदूषक भी होते हैं। पानी में विद्यमान रसायन, धातु और सूक्ष्म जीव विभिन्न प्रकार से खतरा उत्पन्न करते हैं। इंटरनेशनल एजेंसी फार रिसर्च आन कैंसर ने आर्सेनिक को फेफड़े, मूत्राशय, दिल, त्वचा और गुर्दे के कैंसर का कारण चिह्नित किया है। इस संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन का दिशानिर्देश है कि पीने के पानी में आर्सेनिक की मात्रा दस माइक्रोग्राम प्रति लीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। पर विडंबना है कि दुनिया भर में 14 करोड़ लोग पीने के पानी में आर्सेनिक के उच्च स्तर का सेवन करते हैं। इसके अलावा सीसा भी जहरीला प्रदूषक है, जो जल को दूषित करता है। विश्व स्वास्थ संगठन का अनुमान है कि विश्व स्तर पर दो अरब से अधिक लोग सीसा-दूषित पानी पीते हैं। क्रोमियम भी एक ऐसा ही तत्व है, जो पानी को जहरीला बना देता है। जब पानी में क्रोमियम की मात्रा प्रति लीटर 25 माइक्रोग्राम से अधिक होती है, तो वह जल विषैला हो जाता है। क्रोमियम मिश्रित जल के सेवन से शरीर में चकत्ते पड़ना, गुर्दा व यकृत की विषाक्तता, कैंसर, शुक्राणु क्षति और एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है।

माइक्रोप्लास्टिक यानी प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े, जिनका आकार पांच माइक्रोमीटर से भी कम होता है, वे भी अदृश्य होने के कारण पेयजल या बोतल बंद पानी के जरिए मानव शरीर में आसानी से प्रवेश कर जाते हैं और प्रजनन, प्रतिरक्षा व्यवधान, मोटापा और पेट संबंधी समस्याओं को जन्म देते हैं। इसी तरह नाइट्रेट का आम स्रोत औद्योगिक उर्वरक है। पीने के पानी में नाइट्रेट की मात्रा प्रति लीटर दस मिलीग्राम से अधिक होने पर स्वास्थ्य मुश्किल में पड़ जाता है। नाइट्रेट प्रदूषित जल के सेवन से कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। प्रदूषक, जल में इतनी सूक्ष्मता से घुले होते हैं कि ये नंगी आंखों से नजर नहीं आते हैं। पानी में ठोस धातुओं का पता टीडीएस (कुल घुलित ठोस) से लगाया जाता है। इसे पानी में घुले हुए अशुद्ध कणों की मात्रा के रूप में देखा जाता है।

चिकित्सकों के अनुसार 500 टीडीएस तक का पानी पीने योग्य होता है, लेकिन इससे ऊपर का पानी छाने बगैर पीने से सेहत को बड़ा नुकसान होता है। हालांकि जागरूकता के और स्वच्छ जल स्रोतों के अभाव में एक बड़ी आबादी दूषित पेयजल पीने को लाचार है। गरीबी और जानकारी के अभाव में जो लोग इस परिस्थिति का सामना नहीं कर पाते, वे असमय काल-कलवित हो जाते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, देश में साढ़े तीन सौ से अधिक नदियां प्रदूषण से कराह रही हैं। साल भर प्रदूषकों से लबालब भरी होने के कारण कई नदियों का जलीय पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट होने के कगार है, जिससे उनके ऊपर जैविक रूप से मृत होने का खतरा बना हुआ है। इस संदर्भ में लंदन की मशहूर टेम्स नदी को याद किया जा सकता है, जिसे वर्ष 1957 में जैविक रूप से मृत घोषित कर दिया गया था। छह दशक की जद्दोजहद के बाद इसे पिछले साल प्रदूषण-मुक्त करने में कामयाबी मिली।

टेम्स के जैविक रूप से मृत होने और फिर जीवित होने की घटना वैश्विक समुदाय के लिए एक बड़ी सीख इसलिए है, क्योंकि जल प्रदूषण पर नियंत्रण न करने से विविध दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं। मसलन, प्रदूषण के कारण जल में आक्सीजन की मात्रा में कमी आती है, जिससे जलीय जीवों का जीवन कष्टमय हो जाता है। वहीं प्रदूषित पानी से सिंचाई करने पर अनाजों, फलों और सब्जियों में दूषित पदार्थों की सांद्रता उच्च हो जाती है, जो बीमारियों व मौत को आमंत्रण देते हैं। जल प्रदूषण आर्थिकी को भी प्रभावित करता है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में पानी की गुणवत्ता में गिरावट भारी प्रदूषित क्षेत्रों में संभावित आर्थिक विकास के एक तिहाई हिस्से को कम कर देती है।

स्वच्छ जल आर्थिक विकास में महती भूमिका निभाता है। इसकी सुलभता जहां नागरिकों को जल जनित बीमारियों से बचा कर उनकी कार्य-क्षमता बढ़ाती है और आर्थिक बचत में भी सहायक होती है, वहीं पानी को स्वच्छ करने व प्रदूषित जल निकायों को साफ करने के तंत्र पर अरबों रुपए खर्च हो जाते हैं। प्रदूषित जल निकायों में पर्यटन गतिविधियां प्रभावित होती हैं, जिससे हर साल इस उद्योग को एक अरब डालर का नुकसान होता है। जल प्रदूषण के कारण लोगों का शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है, जिससे कि वे परिपक्व मानव संसाधन के रूप में विकसित नहीं हो पाते हैं। इस तरह जल प्रदूषण राष्ट्रीय आय पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। सच तो यह है कि देश की एक बड़ी आबादी के पास शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं है, न ही जल को स्वच्छ बनाने की तकनीक तक उनकी पहुंच है। ऐसे में जाने-अनजाने लोग अपनी सेहत का नुकसान कर रहे हैं।

टिकाऊ विकास का 6.1 लक्ष्य सुरक्षित और किफायती पेयजल के लिए समान पहुंच पर जोर देता है। यों तो 2030 तक लक्षित टिकाऊ विकास लक्ष्यों को साकार करने का व्यावहारिक पक्ष स्वच्छ पेयजल की सर्वसुलभता से जुड़ा है। यह तभी संभव है, जब जल के संरक्षण और संचयन बुनियादी कर्तव्य बन जाए और लोग बूंद-बूंद की कीमत समझने लगें। धरती का तीन चौथाई हिस्सा जल होने के बावजूद केवल एक प्रतिशत हिस्सा हमारी पहुंच में है। अतः जल संरक्षण पर गंभीरता दिखानी होगी।

जरनैल रंगा

समाजसेवी संदीप गर्ग ने लाडवा हल्के के प्रत्येक परिवार के साथ सेल्फी लेने का अभियान किया शुरू

हल्के के प्रत्येक परिवार को अपने परिवार के सूत्र धार के साथ जोड़ने का काम किया शुरू: संदीप

गजब हरियाणा न्यूज/ जरनैल रंगा

लाडवा, स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने लाडवा हल्के के प्रत्येक परिवार के साथ सेल्फी लेने की अभियान की शुरुआत की।

समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि अभी तक लाडवा हल्के को कोई भी ऐसा विधायक नहीं मिला है, जो कि लाडवा हल्के के प्रत्येक घर पर जाकर लोगों की समस्याओं को सुन सके और उनको समझ सकें। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से लाडवा हल्के के गांव अटल नगर से एक अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि वह हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले लाडवा हल्के के प्रत्येक परिवार से जाकर मिलेंगे और उनकी समस्याओं के बारे में सुनेंगे। उन्होंने कहा कि उसके लिए हल्के के प्रत्येक परिवार को अपने परिवार के सूत्र धार के साथ जोड़ने की एक पहल भी शुरू की गई है। जिसको लेकर उन्होंने सभी परिवारों के साथ सेल्फी लेने की अभियान की शुरुआत की है। अभियान के पहले चरण में लाडवा हल्के के अटल नगर में एक दिन में 200 परिवारों के साथ मिलकर फोटो करवाई और उनका जान हाल जाना। वहीं सोमवार को लाडवा के गांव डूडा में जाकर लगभग 150 परिवारों के साथ फोटो करवाया और ग्रामीणों को आ रही समस्याओं का जाना। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हल्के के प्रत्येक गांव जो कि लगभग 150 हैं। सभी परिवारों के साथ फोटो करवाएंगे और उनके दुख दर्द जानेंगे।

उन्होंने कहा कि लाडवा हल्के की जनता नेताओं को विधायक चुनकर विधानसभा में भेज देती है, परंतु जब कोई भी पार्टी का नेता विधायक बनता है तो उसके बाद हल्के की जनता के दुख-दर्द सुनने के लिए उन तक नहीं पहुंचता है। सिर्फ वोट लेने तक सीमित रह जाते हैं। उनका मकसद है कि लाडवा हल्का की जनता सुख समृद्धि व पूरे मान-सम्मान के साथ जीये व उन सभी का कारोबार चले। उनकी ओर से अनेक योजनाएं लाडवा हल्के की जनता के लिए शुरू की गई है। जैसे कि चार रसोईयां, दस सिलाई सेंटर, एक मेडिकल वैन, एक एंबुलेंस व अन्य प्रकार की योजनाएं खिलाड़ियों के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। जो हल्के के खिलाड़ी आगे बढना चाहते हैं। परंतु परिवारिक स्थिति सही न होने के कारण आगे बढ नहीं पा रहे हैं। उनके लिए ट्रैक सूट, खेलने का सामान व खेल नर्सरी तैयार करवाकर उन्हें आगे बढाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि 2024 के विधानसभा चुनाव में लाडवा हल्के की जनता ने उन्हें आशीर्वाद दिया तो वह लाडवा हल्के को नंबर वन बनाकर रहेंगे। वहीं लाडवा हल्के के लगभग तीन हजार लोगों को रोजगार भी देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि लाडवा हल्का उनका अपना परिवार है और परिवार के प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को वह उसे दूर करना उनका कर्तव्य फर्ज बनता है।

विजय विभोर जी आज हमारे बीच में नहीं हैं। हम विभोर जी को उनके द्वारा रचित रचनाओं में देख सकते हैं, महसूस कर सकते हैं। विजय जी एक अच्छे कवि लेखक थे। जिनके लेख, लघु कथाएं एवं कविताएं गजब हरियाणा में प्रकाशित होती रही हैं। आज हम उनकी एक कविता आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहें।

कहाँ खो गया है आदमी

कहाँ खो गया है आदमी
चंद सिक्कों की खातिर
हैवान हो गया है आदमी
जुबां पर धर्म इमान की कसम
बगल में छुरी लिए है आदमी
कहाँ खो गया है आदमी
मंजिल खड़ी कर मकान की
दहेज से सामान जुटा रहा है आदमी
लाखों लुटा षिक्षा पर
सिर्फ डिग्री पा रहा है आदमी
कहाँ खो गया है आदमी
दिलों में जहर घोल कर
जुबान का मीठा बन रहा है आदमी
आग बुझे जो पानी से
उसे घी से बुझा रहा है आदमी
कहाँ खो गया है आदमी
किलकारियाँ गूंजती थी जिनकी
उनकी चित्कार सुन रहा है आदमी
मानवता का रक्षक है जो
वह 'विभोर' रो रहा है आदमी

स्वरचित रचना : विजय 'विभोर', रोहतक

मोची को चमार सरनेम लिखने के लिए किया मजबूर

गजब हरियाणा न्यूज

दिल्ली, मयूर विहार फेज- 1 में राजस्थान के जिला जयपुर निवासी राम अवतार वर्मा रोड किनारे मोची की दुकान चलाते हैं। उनकी इस दुकान पर जूते रखने का लड़की का एक बॉक्स है। जिस पर उनका नाम राम अवतार वर्मा अंकित है। उनका दावा है कि उनकी दुकान के सामने रोड पार हिंदुस्तान टाइम्स अपार्टमेंट में रहने वाले एक जीएल वर्मा नाम के शख्स ने उनका सरनेम वर्मा हटाने के लिए मजबूर किया। राम अवतार वर्मा ने सोशल मीडिया में दिए अपने बयान में कहते हैं कि मैं लंबे समय से मयूर विहार फेज -1 में जूते रिपेयरिंग का काम करता हूं। मैंने अपने जूते और औजार आदि सामान रखने का जो बक्सा है उसके दरवाजे पर राम अवतार वर्मा लिख रखा है। लेकिन मेरे सामने हिंदुस्तान टाइम्स सोसाइटी में एक जीएल वर्मा नाम के व्यक्ति रहते हैं उनको इससे एतराज है। वह कहते हैं कि तू यहां से वर्मा हटा और 'चमार' लिख। क्योंकि वर्मा मैं हूं, तू नहीं है, तू 'चमार' है। इसके बाद मैं डर गया और मैंने वर्मा सरनेम पर एक कागज चस्पा कर दिया। वह कहते हैं कि इसके बाद एक दिन बारिश हुई तो वो कागज थोड़ा पुराना भी हो गया था और बारिश से भीगकर हट गया तो एक दिन फिर उस व्यक्ति की नजर उस पर पड़ गई तो उसने मुझे फिर से गंदी गंदी गालियां दीं और कहा कि इस वर्मा सरनेम को हटा ले नहीं तो तेरी दुकान यहां से दो मिनट में हटवा दूंगा। इसके बाद उन्होंने फिर से वहां पर कागज चस्पा कर दिया है। उन्होंने अपनी बात सोशल मीडिया द्वारा लोगों के सामने रखी। जीएल वर्मा में सोशल मीडिया में दिए ब्यान में मोची राम अवतार वर्मा से वर्मा सरनेम हटाकर चमार लिखने को कहा था। उन्होंने कहा की मेरी मंशा उनको प्रताड़ित करना नही थी। मैने उनको सिर्फ सुझाव दिया था।

संसार के द्वंद्ध अनित्य, सब फनाह होने वाले हैं : महामंडलेश्वर

चारों तरफ दु:ख ही दु:ख : स्वामी ज्ञाननाथ

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकारी जागृति मिशन नारायणग के गद्दीनशीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने रूहानी प्रवचनों में कहा कि जैसे मरीज का कारण डॉक्टर, अच्छे का कारण बुरा, चोर का कारण न्यायालय, पापियों-अपराधियों का कारण आधार संत-महात्मा, जन्म का कारण मृत्यु। सृष्टि में दोनों ही संयुक्त है। यह संसार के द्वंद्ध अनित्य हैं और सब फनाह होने वाले हैं। जहां काम है, वासना है और कामना है वहां पर संसार है और इनकी उपेक्षा करना ही मोक्ष-मुक्ति को प्राप्त करना है। संसार दुःखालय है चारों तरफ दु:ख ही दु:ख हैं, भटकाव ही भटकाव है, बनावट और दिखावट है, झल-कपट है, उंच-नीच है, मन और मत के भेद का बोलबाला है। जीव काल की त्रिगुणात्मक माया में गलतान है, विषय-विकारों में लंपट है। यह जीव को भलिभांति समझ लेना चाहिए कि जहां पर काम है वहां पर राम नही और जहां पर राम है वहां काम नही। निराकार और संसार दोनो में से एक ही मिलेगा दोना नही। क्योंकि एक म्यान में दो तलवारें नही रह सकती। जो जीव अज्ञानतावश जाति, धर्म, वर्ण, मजहब, संप्रदाय, मिशन, रंग, रूप, सांसारिक उपाधि-उपलब्धि , किसी मनुष्य द्वारा बुद्धि के आधार पर बनाए गए प्रतीक और चिंह, मूढ़ मान्यताएं, निरर्थक रिति-रिवाज, अनाप-शनाप बाहरमुखि कर्मकांड, जड़ चीजों की पूजा अर्चना के आधार पर भेदभाव में उलझा हुआ है ऐसे जीव को वास्तव में तो क्या सपने में भी परमात्मा का दर्शन-दीदार और अनुभव तथा एहसास नही हो सकता। जन्म-मरण का दु:ख, वासना-तृष्णा और ऐषणाओं के मानसिक दु:ख, असहाय महसूस करने लगा है।

अज्ञानता-अविद्या का दु:ख और दैहिक, दैविक और मानसिक दु:ख आदि। यह एक सार्वभौमिक और सर्वमान्य सच है कि विषय वासना ही सब दु:खों का कारण । संसार में जो भी देखा उसी को पाने की तीर्व इच्छा, जो मिल गया उसमें संतुष्ट ना होना, अनात्मा और आत्मा के बीच का अंतर न समझना, अज्ञानतावश अपने आप को मात्र पंचभौतिक शरीर समझना। वासनाओं-तृष्णाओं का गुलाम बन जाना। यह भलिभांति समझना होगा कि जहां रोग है वहां उपचार भी है, जहां उलझने हैं वहां उपाय और समाधान भी है, जहां चाह है वहां राह भी है, जहां दु:ख है वहां पर सुख भी है। आज की भागमभाग और चकाचौंध से भरी आंधी में बहकी और भटकी जीवनशैली में मनुष्य सबकुछ गंवा बैठा है। जीवन में जटिलता, व्यस्तता के कारण मानसिक तनाव और अवसाद के कारण मनुष्य अपने आप को असहाय महसूस करने लगा है।

डॉ अंबेडकर महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया: गुरुदेव

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । डॉ भीमराव अंबेडकर युवा मंच द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय बडसीकरी कलां में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि समाजसेवी संरक्षक गुरुदेव अंबेडकर, प्रभारी मदनलाल व कुलदीप धानिया पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान प्रवीन धानिया ने की। समाजसेवी गुरुदेव अंबेडकर ने बताया कि आज नारी शक्ति मजबूत है को हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही है। भारतीय संविधान की बदौलत आज महिलाएं राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, मुख्य मंत्री, व बहुत से बड़े बड़े पदों पर आसीन हैं। महिलाएं पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। प्रभारी मदनलाल कुलदीप धानिया ने बताया कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी ने महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। हिन्दू कोड बिल लागू करवाने के लिए डॉ भीमराव अंबेडकर जी को कानून मंत्री से त्यागपत्र देना पड़ा था। बाबा साहब चाहते थे कि महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक,व नौकरी में पुरूषों के बराबर अधिकार मिलने चाहिए। इस अवसर पर मनीष कश्यप, संदीप कश्यप, राहुल धानिया, विक्रम धानिया, संजू बाल्मिकी, आदि मौजूद थे।

हरियाणा में बनेंगे छः पॉलीक्लीनिक, चरखी दादरी में भी एक पॉलीक्लिनिक बनाया जाएगा: मुख्यमंत्री

गजब हरियाणा न्यूज

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि पशुओं की देखभाल हेतु प्रदेश में छः पॉलीक्लीनिक बनाये जाएंगे। चरखी दादरी में भी एक पॉलीक्लिनिक बनाया जाएगा। वर्तमान में 7 पॉलीक्लिनिक कार्यरत हैं। इसके अलावा, प्रदेश में गौ वंश की देखभाल के लिए गौ सेवा आयोग के बजट में 10 गुणा बढ़ोत्तरी करके 400 करोड़ रुपये कर दिया है।

मुख्यमंत्री आज चरखी दादरी में 39वीं हरियाणा पशुधन प्रदर्शनी-2023 के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने पशुधन प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण तथा पशुपालन मंत्री श्री जे पी दलाल और पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण और पशुपालन मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़ उपस्थित थे।

2 लाख परिवारों की आमदनी बढ़ाने के लिए 2000 करोड़ रुपये रिर्जव

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत जिन परिवारों की आय 1 लाख रुपये से कम है, उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत अधिकतर परिवार पशुपालन के काम में आगे आ रहे हैं, जिनकी सहायता के लिए बैंकों के माध्यम से इन परिवारों को ऋण दिलवाया जा रहा है। इस साल 2 लाख परिवारों की आमदनी बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए पशुपालन या अन्य किसी कार्य के लिए इन 2 लाख परिवारों के लिए 2000 करोड़ रुपये रिर्जव रखा गया है।

सांझी डेयरी से पशुपालकों को मिलेगी पशुओं को रखने की जगह

श्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2023-24 के बजट में एक नया प्रोजेक्ट सांझी डेयरी की परिकल्पना की गई है। इस परियोजना के तहत पंचायत की जमीन पर एक शेड बनाया जाएगा, जिसमें पशुपालक, जिनके पास अपने पशु बांधने के लिए जगह नहीं है, वे इस कॉमन शेड में अपने पशुओं को रख सकेंगे। सहकारिता विभाग द्वारा इस कार्य को किया जाएगा। 1 अप्रैल, 2023 से इस योजना को लॉन्च किया जाएगा।

प्रदेश सरकार ने गौ वंश की सुरक्षा के लिए बनाए कड़े कानून

श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गौ वंश की सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाए हैं। गौ हत्या करने पर 10 साल तक की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 632 गौशालाएं है। गौ सेवा आयोग का गठन किया गया है। बेसहारा गौ वंश की देखभाल के लिए बजट में वृद्धि की गई है। इसमें उन गौशालाओं को अधिक बजट दिया जाएगा, जो बेसहारा गौ वंश की देखभाल करेंगी। पंचायत या अन्य संस्थाएं भी गौशाला बनाकर पशुओं की देखभाल करेंगी, उन्हें भी अनुदान दिया जाएगा।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि पशुधन को केवल पशुधन न कहें, क्योंकि यह किसानों व पशुपालकों के साथी होते हैं, परिवार के सदस्य होते हैं। इतना ही नहीं, भारत में पशुओं की महत्ता बहुत अधिक है। हमारे यहां पशुओं की पूजा होती है। गाय को तो माता का स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि गाय का ए-टू दूध बहुत लाभकारी है, जिससे अनेक प्रकार की बीमारियां दूर होती हैं। इसका अनुसंधान भी करवाया गया है। ए-टू दूध के सेवन से आँखों की रौशनी बढ़ती है, व अन्य गंभीर बीमारियों में भी यह लाभकारी है।

उन्होंने प्रदर्शनी में आए किसानों व पशुपालकों से आह्वान किया कि वे पारंपरिक खेती के अलावा, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, फूलों की खेती, फूड प्रोसेसिंग के लघु उद्योग लगाने जैसे अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को अपनायें। यदि किसी को कोई कठिनाई आती है तो उसे दूर करने के लिए सरकार सदैव आपके साथ खड़ी है।

मेले आयोजित करने का उद्देश्य किसानों व पशुपालकों को नई नई तकनीकों की जानकारी देना है- जेपी दलाल

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण तथा पशुपालन मंत्री श्री जे पी दलाल ने कहा कि इस प्रकार के मेले आयोजित करने का उद्देश्य किसानों व पशुपालकों को नई नई तकनीकों की जानकारी देना है, ताकि इन तकनीकों के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी कर उनकी आमदनी को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि गांव विकसित हों, किसान की आमदनी बढे और किसान और पशुपालक समृद्ध हों। इसी दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने इस बार के बजट में गौ सेवा आयोग के बजट को 10 गुना बढ़ा दिया है। गौ सेवा आयोग की नीति है कि 22 जिलों में एक गौ वन बने, जहां इन पशुओं को रखने की व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा अकेला प्रदेश है, जहां 8 लाख से ज्यादा पशुओं का बीमा किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की नीतियों के अनुसार प्रदेश में एक कॉल सेंटर बनाया जाएगा, जहां पशुपालक कॉल करके एंबुलेंस की मांग कर सकेंगे। उसके बाद तुरंत नजदीकी एंबुलेंस पशुपालक के घर जाएगी। पहले चरण में 70 एंबुलेंस की व्यवस्था की जाएगी। बाद में 200 एंबुलेंस होगी।

दूध उत्पादन में हरियाणा को इजराइल के बराबर पहुंचाने का संकल्प

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री ओमप्रकाश धनखड़ ने प्रदेश के पशुपालकों से आह्वान किया कि वे हरियाणा को प्रति पशु दूध उत्पादन में इजराइल के बराबर ले जाने का संकल्प लें। उन्होंने बताया कि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के वैज्ञानिकों ने सरोगेटरी तकनीक से बछड़िया पैदा करने में सफलता हासिल की है। इसी प्रकार भैंस अनुसंधान द्वारा क्लोन से झोटा पैदा करने में भी सफलता हासिल की है। इससे निश्चित रूप से प्रदेश दूध उत्पादन में आगे बढ़ेगा।

इस अवसर पर विधायक श्री सोमबीर सांगवान, श्री घनश्याम सर्राफ, गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्री श्रवण गर्ग, पशुपालन विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री के मकरंद पांडुरंग सहित बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित थे।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम से आमजन की समस्याओं का हो रहा है समाधान: सुधा

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र, विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि प्रॉपर्टी आईडी और परिवार पहचान पत्र में अशुद्धियों को ठीक करवाने को लेकर भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इन समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से शहर के अलग-अलग मोहल्लों में जाकर नगर परिषद और प्रशासन की तरफ से विशेष शिविर लगाए जा रहे है। इन शिविरों में लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

विधायक सुभाष सुधा दुःख भंजन मंदिर में लगाए गए सरकार आपके द्वारा शिविर के समापन अवसर पर बातचीत कर रहे थे। इससे पहले विधायक सुभाष सुधा ने शिविर में लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना तथा मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगातार लोग परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को ठीक करवाने, राशन कार्ड कटने, आयुष्मान कार्ड बनवाने के साथ-साथ प्रॉपर्टी आईडी बनवाने को लेकर आ रही है समस्याओं का समाधान करवाने को लेकर उनसे मिल रहे थे। इन लोगों की समस्या को देखते हुए नगर

परिषद के अधिकारियों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों को शहर के अलग-अलग मोहल्लों में विशेष शिविर लगाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे।

उन्होंने कहा कि दु:ख भंजन मंदिर में नगर परिषद व प्रशासन के सहयोग से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसके साथ-साथ अलग-अलग मोहल्लों में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत अधिकारी और कर्मचारी एनडीसी, परिवार पहचान पत्र से जुड़ी प्रत्येक योजना, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बिजली, पेयजल, गलियों आदि से संबंधित समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है।

सम्राट अशोक जयंती विशेष(29 मार्च)

अशोक अथवा 'असोक' (काल ईसा पूर्व 269 – 232) प्राचीन भारत में मौर्य राजवंश का राजा था। इन्हे देवानाम्प्रिय एवं प्रियदर्शी आदि नामों से भी जाना जाता है। उसके समय मौर्य राज्य उत्तर में हिन्दु कुश की श्रेणियों से लेकर दक्षिण में गोदावरी नदी के दक्षिण तथा मैसूर, कर्नाटक तक तथा पूर्व में बंगाल से पश्चिम में अफ़ग़ानिस्तान तक पहुँच गया था। यह उस समय तक का सबसे बड़ा भारतीय साम्राज्य था। सम्राट अशोक को अपने विस्तृत साम्राज्य के बेहतर कुशल प्रशासन तथा बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए जाना जाता है। जीवन के उत्तरार्ध में वे गौतम बुद्ध का भक्त हो गया और उन्हीं की स्मृति में नेपाल में उनके जन्मस्थल ङ्क लुम्बिनी में अशोक स्तम्भ खड़ा कर दिया।

अशोक का जीवन परिचय

अशोक प्राचीन भारत के मौर्य सम्राट बिंदुसार का पुत्र था। इनका जन्म लगभग 304 ई. पूर्व में माना जाता है। लंका की परम्परा में बिंदुसार की सोलह पटरानियों और 101 पुत्रों का उल्लेख है। जिनमे तीन का नाम उल्लेखित है, सुसीम जो सबसे बड़ा था, अशोक और तिष्य। तिष्य अशोक का सहोदर भाई और सबसे छोटा था। भाइयों के साथ गृह-युद्ध के बाद 272 ई. पूर्व अशोक को राजगद्दी मिली और 232 ई. पूर्व तक उसने शासन किया।

देवानाम्प्रिय प्रियदर्शी की उपाधि

'देवानाम्प्रिय प्रियदर्शी' को बी.ए. स्मिथ के मतानुसार 'देवानाम्प्रिय' आदरसूचक पद है। किंतु देवानाम्प्रिय शब्द (देव-प्रिय नहीं) पाणिनी के अनुसार अनादर का सूचक है। पतंजलि और काशिका (650 ई.) भी इसे अपवाद ही मानते हैं। वे इसका अनादरवाची अर्थ 'मूर्ख' ही करते हैं। उनके मत से 'देवानाम्प्रिय ब्रह्मज्ञान से रहित उस पुरुष को कहते हैं जो यज्ञ और पूजा से भगवान को प्रसन्न करने का यत्न करता है। जैसे गाय दूध देकर मालिक को, इस प्रकार एक उपाधि जो नंदों, मौर्यों और शुंगों के युग में आदरवाची थी। उस महान् राजा के प्रति ब्राह्मणों के दुराग्रह के कारण अनादर सूचक बन गई।

धर्म परिवर्तन

अशोक ब्राह्मण धर्म का अनुयायी था। महावंश के अनुसार वह प्रतिदिन 60,000 ब्राह्मणों को भोजन दिया करता था और अनेक देवी ङ्क देवताओं की पूजा किया करता था। कल्हण की राजतरंगिणी के अनुसार इनके इष्ट देव शिव थे। पशुबलि में उसे कोई हिचक नहीं थी। किन्तु अपने पूर्वजों की तरह वह जिज्ञासु भी था। मौर्य राज्य सभा में सभी धर्मों के विद्वान् भाग लेते थे। जैसे ङ्क ब्राह्मण, दार्शनिक, निग्रंथ, आजीवक, बौद्ध तथा यूनानी दार्शनिक। वह यह जानना चाहता था कि धर्म के किन ग्रंथों में सत्य है।

बौद्ध धर्म का अनुयायी

अशोक बौद्ध धर्म का अनुयायी था। सभी बौद्ध ग्रंथ इनको बौद्ध धर्म का अनुयायी बताते हैं। इनके बौद्ध होने के सबल प्रमाण उसके अभिलेख हैं। राज्याभिषेक से सम्बद्ध लघु शिलालेख में इन्होने अपने को 'बुद्ध शाक्य' कहा है। वह ढाई वर्ष तक एक साधारण उपासक रहा। भाब्रु लघु शिलालेख में अशोक त्रिरत्न—बुद्ध, धम्म और संघ में विश्वास करने के लिए कहता है और भिक्षु तथा भिक्षुणियों से कुछ बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन तथा श्रवण करने के लिए कहता है। लघु शिलालेख से यह भी पता चलता है कि राज्याभिषेक के दसवें वर्ष में अशोक ने बोध गया की यात्रा की, बारहवें वर्ष वह निगालि सागर गया और कोन गमन बुद्ध के स्तूप के आकार को दुगुना किया।

परिणिर्वाण

अशोक के कर्मठ जीवन का अंत कब, कैसे और कहाँ हुआ। तिब्बती परम्परा के अनुसार उसका देहावसान तक्षशिला में हुआ। उसके एक शिलालेख के अनुसार उनका अंतिम कार्य भिक्षु संघ मे फूट डालने की निंदा करना था। यह घटना बौद्धों की तीसरी संगति के बाद की है। सिंहली इतिहास ग्रंथों के अनुसार तीसरी संगीति अशोक के राज्यकाल में पाटलिपुत्र में हुई थी।

उत्तराधिकारी

40 वर्ष तक राज्य करने के बाद लगभग ई. पू. 232 में अशोक की मृत्यु हुई। उसके बाद लगभग 50 वर्ष तक अशोक के अनेक उत्तराधिकारियों ने शासन किया।

अशोक के चौदह वृहद शिलालेख

पहला : पशुबलि की निंदा।

दूसरा: मनुष्य एवं पशुओं दोनों की चिकित्सा व्यवस्था का उल्लेख, चोल, पांडय, सतियपुत्र एवं केरल पुत्र की चर्चा।

तीसरा : राजकीय अधिकारीयों (युक्तियुक्त और प्रादेशिक) को हर 5वे वर्ष द्वारा करने का आदेश।

चौथा : भेरीघोष की जगह धम्म घोष की घोषणा।

पांचवाँ: धम्म महामात्रों की नियुक्ति के विषय में जानकारी।

छठा: धम्म महामात्र किसी भी समय राजा के पास सूचना ला सकता है, प्रतिवेदक की चर्चा।

सांतवाँ: सभी संप्रदायों के लिए सहिष्णुता की बात।

आठवा: सम्राट की धर्म यात्रा का उल्लेख, बोधिवृक्ष के भ्रमण का उल्लेख 7

नौवाँ : विभिन्न प्रकार के समारोहों की निंदा।

दसवाँ -ख्याति एवं गौरव की निंदा तथा धम्म नीति की श्रेष्ठता पर बल।

ग्यारहवाँ : धम्म नीति की व्याख्या ।

बारहवाँ सर्वधर्म समभाव एवं स्त्री महामात्र की चर्चा।

तेरहवाँ : कलिंग के युद्ध का वर्णन, पड़ोसी राज्यों का वर्णन, अपराध करने वाले आटविक जातियों का उल्लेख।

चौदहवाँ : लेखक की गलतियों के कारण इनमें कुछ अशुद्धियां हो सकती है।

महर्षि कश्यप जयंती को प्रदेश सतर पर इंद्री में मनाई जाने पर विचार विमर्श हुआ

सभी कश्यप समाज के गणमान्य लोगों की सहमति बनी रामकुमार कश्यप

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । कश्यप राजपूत धर्मशाला करनाल में कश्यप समाज की मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कश्यप राजपूत सभा के राज्य प्रधान समेसिंह कश्यप ने की। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामकुमार कश्यप इंद्री ने भाग लिया। इस मीटिंग का मुख्य विषय महर्षि कश्यप जयंती को प्रदेश सतर पर इंद्री हल्के में मनाई जाने पर विचार विमर्श हुआ। जिस पर सभा में आए सभी सम्मानित व्यक्तियों ने अपने विचार रखे। सर्व कश्यप समाज द्वारा महर्षि कश्यप जयंती को इंद्री हल्के में धूमधाम से मनाई जाए। इस पर अपनी सभी कश्यप समाज के लोगो की सहमती बनी। इस मौके पर विधायक रामकुमार कश्यप, समेसिंह कश्यप, एडवोकेट जगदीश कश्यप, आरडी कश्यप कल्याण, दरियावर कश्यप, नीरज कश्यप, रामप्रसाद कश्यप, एडवोकेट जयपाल कश्यप, प्रेम कश्यप,रामदिया कश्यप, ओमप्रकाश कश्यप, दयानंद कश्यप, सुनहरा कश्यप, महासिंह कश्यप, संजय कश्यप, सोमबीर कश्यप, कृष्ण लाल कश्यप, महावीर कश्यप, विजय कश्यप, वजीर शास्त्री, राजेंद्र कश्यप, सतीश कश्यप, राजेश कश्यप, ईश्वर कश्यप, सचिन कश्यप आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

डेरामुखी सिरसा गुरमीत राम रहीम पर एक और केस दर्ज, बढ़ी मुश्किलें..

सत्संग में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज और कबीर दास जी महाराज की शराबी से की थी तुलना, दोनों को बताया था बाप बेटा

गजब हरियाणा न्यूज

जालंधर । पांच फरवरी को सत्संग के दौरान डेरा मुखी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज और कबीर दास जी महाराज पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसकी शिकायत के बाद जालंधर देहात के थाना पतारा में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला रविदास टाइगर फोर्स पंजाब की शिकायत पर दर्ज हुआ है।

रविदास टाइगर फोर्स पंजाब के प्रधान जस्सी तल्हण ने बताया कि 5 फरवरी को सिरसा में हुए सत्संग में डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम ने कबीरदास और रविदास महाराज के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने गुरुओं को शराबी और ड्रामेबाज कहा था। डेरा मुखी ने गुरु

रविदास और कबीर महाराज को बाप-बेटा बना दिया था जो एक ही समय में पैदा हुए थे।

जो कहानी डेरा मुखी ने सुनाई वह इतिहास के किसी भी पन्ने में नहीं है, जिसमें गुरु रविदास, कबीर महाराज शराब के नशे में बोतल हाथ में लिए वेश्या के साथ महाराजा वीर सिंह के दरबार में पहुंचते हैं तो शराब के नशे में देख वीर सिंह उन्हें उठकर प्रणाम नहीं करता जबकि वह उनके गुरुदेव थे।

जब सत्संग की वीडियो वायरल हुई तो उन्होंने कई कानूनी सलाहकारों को दिखाया जिन्होंने कहा कि यह तो साफ तौर पर भावनाएं आहत करने का मामला है। जिसके बाद उन्होंने जालंधर के थाना पतारा में इसकी शिकायत की। जांच के बाद जालंधर देहात के थाना पतारा में 295 ए के तहत मामला दर्ज हुआ है। यह मामला 7 मार्च को दर्ज हुआ है।

भाजपा थानेसर मंडल में की गई नियुक्तियां

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । भाजपा थानेसर मंडल के प्रभारी सुरेंद्र ईशाकपुर व मंडल अध्यक्ष हरीश अरोड़ा की अध्यक्षता में दिनांक 10 मार्च को भाजपा थानेसर मंडल की शक्ति केंद्र व मंडल के पदाधिकारियों की एक बैठक सलारपुर रोड राजीव गर्ग कार्यालय में हुई। जिसमें मंडल के नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। सभी शक्ति केंद्रों को 66 बूथों की नई वोटर लिस्ट दी गई जिसमे सभी बूथों पर पन्ना प्रमुख बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। मंडल में जो कुछ नई नियुक्तियां की गई इनमे राजकुमार बाजवा को थानेसर मंडल उपाध्यक्ष बनाया गया और गौरव भट्ट को मंडल का महामंत्री, धर्मपाल शेरगिल व संजीव सिंह उर्फ सनी फौजी कॉलोनी को सचिव, विजय सैनी को सोशल मीडिया प्रमुख बनाया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को मंडल अध्यक्ष हरीश अरोड़ा द्वारा सम्मानित किया गया व उनको बधाई दी।

एमबीबीएस की छात्रा ने हॉस्टल में की आत्महत्या

महिला डॉक्टर समेत 10 पर केस दर्ज

गजब हरियाणा न्यूज

अमृतसर । स्थित श्री गुरु रामदास मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्रा ने गुरुवार रात अपने हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। परिवार की शिकायत पर वल्ला पुलिस ने डॉक्टर प्रतिभा समेत 10 के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज किया है। वहीं परिवार ने आरोप लगाया है कि आरोपी उनकी बेटी को धमकाते थे कि वह भविष्य में उसे कभी डॉक्टर नहीं बनने देंगे।

मृतक छात्रा की मां कमलेश रानी ने पुलिस को बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। किसी तरह अपनी इकलौती बेटी को डॉक्टरी करवा रही थी। बेटी पंपोशा ने कड़ी मेहनत कर एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और इसी कॉलेज में वह अपनी इंटर्नशिप कर रही थी। बेटी ने कुछ दिन पहले उन्हें बताया था कि उक्त आरोपी उसे परेशान करते हैं कि वह उसे (पंपोशा) डॉक्टर नहीं बनने देंगे।

उन्होंने बताया कि इस बात से परेशान होकर उनकी बेटी ने गुरुवार देर रात हॉस्टल के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वल्ला पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जालंधर स्थित रामा मंडी निवासी कमलेश रानी की शिकायत पर वल्ला पुलिस ने श्री गुरु रामदास अस्पताल की गाइनी वार्ड की एचओडी डॉ. प्रतिभा, डॉ. बीर दविंदर सिंह, सीआर गगनदीप कौर, डॉ. प्रभहिम्मत, प्रियंका, सीआर नमिशा, करणबीर सिंह, प्रोफेसर स्वाति, जिम्मी स्टेनो और डॉ. पीयूष को नामजद कर लिया है। एसआई जसबीर सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की उक्त प्रकरण में भूमिका की जांच की जा रही है।

अमृतवाणी

जगत गुरु रविदास जिओ की

सगल भवन के नाइका इकु छिनु दरस दिखाई जी (रहाऊ)

जय गुरुदेव जी

व्याख्याः श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि सब खंडों ब्रह्माण्डो के मालिक प्रभु जी एक पल के लिए मुझे दर्शन दो जी ।सब बंधनों से मुक्त हो कर जीव को प्रभु के आनंद की प्राप्ति होती है ।यह जीव प्रभु को मिलने के लिए बहुत व्याकुल हो उठता है और प्रभु के आगे प्रार्थना करता है कि प्रभु जी मुझे एक पल के लिए दर्शन दो जी । ताकि आपके दर्शन कर मेरा मन शान्त हो जाए जी ।

धन गुरुदेव जी

सुख

जो भी कर रहे हो, उसे सुख से करो, सुख को मांगो मत

सुख में जीना, सुख मांगना मत। जो भी हो, उसमें खोज करना कि सुख कहां मिल सकता है, कैसे मिल सकता है। तब एक रूखी सूखी रोटी भी सुख दे सकती है, अगर तुम्हें लेने का पता है। तब साधारण सा जल भी गहरी तृप्ति बन सकता है, अगर तुम्हें सुख लेने का पता है। तब एक वृक्ष की साधारण छाया भी महलों को मात कर सकती है, अगर तुम्हें सुख लेने का पता है। तब पक्षियों के सुबह के गीत, या सुबह सूरज का उगना, या रात आकाश में तारों का फैल जाना, या हवा का एक झोंका भी गहन सुख की वर्षा कर सकता है, अगर तुम्हें सुख लेने का पता है। सुख मांगना मत और सुख में जीना। मांगा कि तुमने दुख में जीना शुरू कर दिया।

अपने चारों तरफ तलाश करना कि सुख कहां है? सुख है। और कितना मैं पी सकूं कि एक भी क्षण व्यर्थ न चला जाए, और एक भी क्षण रिक्त न चला जाए, निचोड लूं। जहां से भी, जैसा भी सुख मिल सके, उसे निचोड लूं। तो तुम जब पानी पीयो, जब तुम भोजन करो, जब तुम राह पर चलो, या बैठ कर वृक्ष के नीचे सिर्फ सांस लो, तब भी सुख में जीना। सुख को जीने की कला बनाना, वासना की मांग नहीं।

इतना सुख है कि तुम समेट भी न पाओगे। इतना सुख है कि तुम्हारी सब झोलिया छोटी पड जाएंगी। इतना सुख है कि तुम्हारे हृदय के बाहर बाढ़ आ जाएगी। और न केवल तुम सुखी हो जाओगे, बल्कि तुम्हारे पास भी जो बैठेगा, वह भी तुम्हारे सुख की छाया से, वह भी तुम्हारे सुख के नृत्य से आंदोलित हो उठेगा। तुम जहां जाओगे, तुम्हारे चारों तरफ सुख का एक वातावरण चलने लगेगा। तुम जिसे छुओगे, वहां सुख का संस्पर्श हो जाएगा। तुम जिसकी तरफ देखोगे, वहां सुख के फूल खिलने लगेंगे। तुम्हारे भीतर इतना सुख होगा कि तुम उसे बांट भी सकोगे। वह बंटने ही लगेगा।

सुख अपने आप ही बंटने लगता है। वह तुम्हारे चारों तरफ फैलने लगेगा। सुख की तरंगें तुमसे उठने लगेंगी, और सुख के गीत तुमसे झरने लगेंगे। लेकिन सुख मांग नहीं है, सुख जीने का एक ढंग है।

ओशो
साधना सूत्र

बुद्ध एक महान शख्सियत थे, उनके विचारों से ये बातें और भी स्पष्ट होती है उनके विचार आज भी हमें प्रभावित करता है क्योंकि वे आज भी प्रासंगिक है।

तथागत बुद्ध का संघ और महिला

भगवान बुद्ध ने इतिहास में पहली बार स्त्रियों को संघ में शामिल कर बराबरी का हक दिया..

तथागत बुद्ध पर विरोधियों ने कई तरह के झूठे आरोप लगाए। जिन इतिहासकारों को बुद्ध के जीवन व शिक्षाओं की पूरी जानकारी नहीं थी और वे भी जो संसार में बुद्ध की बढती लोकप्रियता से दुखी थे। एक आरोप यह भी कि बुद्ध ने अपने संघ में महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया। आइए जाने कि आखिर सच्चाई क्या है ?

दरअसल तथागत बुद्ध को स्त्रियों को भिक्खुनी बनाने से हिचक थी, 'इन्कार नहीं' था क्योंकि उन्हें स्त्रियों की सुरक्षा की चिंता थी। भिक्खु संघ में हर भिक्खु की जीवन शैली, धम्म प्रचार, ध्यान साधना, श्रम आदि के बहुत कठोर नियम थे। उसे गांव शहर से बाहर विहार में ही रहना जरूरी था और घरों से भिक्खाटन से मिले भोजन से ही निर्वाह करना होता था।

बुद्ध बहुत दूरदर्शी थे इसलिए भिक्खुणी संघ में स्त्रियों की सुरक्षा के कारण उनकी हिचकिचाहट स्वाभाविक थी। लेकिन जब माता गौतमी ही सात सौ स्त्रियों के साथ संघ में शामिल होने के लिए बुद्ध के पास आ गई तो काफी संवाद व नियमों में कुछ छूट देकर आखिर स्त्रियों को शामिल किया और इतिहास में पहली बार स्त्री को समान हक देकर भिक्खुणी संघ का गठन हुआ। बाद में आम्रपाली व सिद्धार्थ की पत्नी यशोधरा भी शामिल हुई थीं।

इस बात को प्रमाणित करती एक घटना है.....

राजगृह में बुद्ध के परम अनुयायी वैद्य जीवक का बहुत सुंदर, शांत और विशाल आम्रवन था जिसमें भिक्खुणियों के लिए छोटी-छोटी कुटियां बनी हुई थी। भगवान बुद्ध वहां देशना के लिए आए हुए थे।

एक दिन शुभा नाम की एक युवा भिक्खुणी भगवान से एक समस्या का समाधान कराने के लिए आई। भगवान से भेंट के बाद राजगीर में भिक्षाटन करके वह विहार में वापस आ रही थी तो सुनसान मार्ग पर उसे एक युवक दिखा। युवक मार्ग के एक ओर से अचानक सामने आ गया। भिक्खुनी ने उसके गलत इरादे भांप लिए और तुरंत आनापान ध्यान करके सजग,शांत और सुस्थिर चित्त में हो गई।

शुभा भिक्खुणी ने युवक की आंखों से आंखें मिलाकर कहा, श्रीमान, मैं बुद्ध के सदधम्म मार्ग की पथिक हुँ, कृपया मेरे रास्ते से हट जाइए ताकि मैं अपने विहार वापस जा सकूं।''

युवक ने कहा, तुम अभी जवान हो, सुंदर हो, भला सिर मुंडाकर, ये चीवर पहने क्यों अपना जीवन बर्बाद कर रही हो ? सुनो, कुमारी! तुम्हारी सुंदर काया काशी के रेशमी वस्त्र पहनने के लिए बनी है। मैंने अभी तक तुम जैसी सुंदर स्त्री नहीं देखी। आओ! तुम्हें शारीरिक सुखों की झलक दिखा दूं। इस चीवर व भिक्खाटन के दुखभरे जीवन को ठोकर मार कर मेरे साथ चल पडो।

शुभा शान्त रहकर बोली, मूर्खता की बातें मत करो। मैं चित्त की शुद्धता, निर्मलता और जागरूकता के जीवन का ही आनंद लेना चाहती हूं, कामनाएं दुख का कारण बनती है। मुझे जाने दीजिए, इसके लिए मैं आपकी कृतज्ञ, आभारी रहूंगी।

व्यक्ति फिर बोला, सुंदरी,मृगनयनी ! तुम्हारी आंखें बहुत ही आकर्षक हैं। मैंने इतनी सुंदर आंखें अब तक नहीं देखी और हां, मुझे इतना मूर्ख न समझो कि तुम्हें यूं ही चले जाने दूंगा, तुम्हें मेरे साथ चलना ही होगा।

युवक भिक्खुणी को पकडने झपटा लेकिन भिक्खुणी तेजी से हटकर उसकी पकड से बच गई और बोली, श्रीमान ! मुझे छूना मत! मुझ भिक्खुनी के धम्म नियमों को मत तोडना। मैंने कामनाओं और घृणापूर्ण जीवन के भार को त्याग कर ही यह मार्ग अपनाया है। आप कहते हैं कि मेरी आंखें सुंदर हैं, तो मैं अपनी दोनों आंखें ही निकाल कर आपको दे देती हूं। मैं तुम्हारे द्वारा अपने धम्म पथ से विचलित किए जाने की अपेक्षा अंधी होना पसंद करूंगी.और बिना आंखों के भी शरीर, मन व वाणी से कुशल कर्म कर सभी के कल्याण के लिए धम्म का प्रचार करती रहूंगी।

शुभा के स्वर में अपने लक्ष्य के प्रति साहस, दृढता व धम्म का ओजस्व था। भिक्खुणी के लक्ष्य की गंभीरता व चेहरे का तेज देखकर युवक डर गया। वह समझ गया कि यह भिक्खुनी जो कहती है, कर भी देगी। यह सोचकर वह अपने नापाक इरादों से पीछे हट गया।

शुभा ने कहा, 'तुम अपनी क्षणिक, झूठे आनंद व काम इच्छा को अपराध का कारण मत बनने दो। तुम जानते नहीं कि यहां के राजा बिम्बिसार ने राज आज्ञा जारी कर रखी है कि जो भी बुद्ध के संघ के किसी सदस्य को परेशान करेगा, हानि पहुंचाएगा, उसे कडा दंड दिया जाएगा। यदि तुमने अभद्र व्यवहार किया, मेरे भिक्खुनी धम्म को भंग करने या मेरी हत्या करने की कोशिश की तो बंदी बना लिए जाओगे और तुम्हें कठोर दंड मिलेगा।'

इतना सुन युवक संभल गया, होश में आ गया। वह समझ गया कि उसकी अंधी काम वासना बड़े दुःख का कारण बन सकती है। वह रास्ते से हट गया और

भिक्खुनी शुभा को गुजर जाने दिया। उसने पीछे से कहा, ''बहन, मुझे क्षमा करना। मुझे आशा है कि आप मानव कल्याण के धम्म मार्ग पर अवश्य सफल होगी, मुझे भी आपने सन्मार्ग पर डाल दिया।

जीवक के आम्रवन में जाकर भिक्खुनी शुभा ने भगवान बुद्ध को इस घटना की पूरी जानकारी दी।

बुद्ध ने उस युवा भिक्खुनी के साहस, दृढ विचारों और धम्म के प्रति श्रद्धा की प्रशंसा की। भगवान ने कहा-''सुनसान मार्ग पर किसी भिक्खुनी का अकेला आना जाना खतरनाक है। इसी कारण से मैं महिलाओं को दीक्षा देकर संघ में शामिल करने से हिचक रहा था। अब से कोई भिक्खुनी अकेली आना-जाना नहीं करेगी। चाहे नदी पार करनी हो, चाहे भिक्षाटन करना हो या वन में या खेत में चलना हो, किसी भी भिक्खुनी को अकेले नहीं जाना है।

कोई भी भिक्खुनी अकेली सोएगी भी नही, फिर चाहे वह विहार में हो या किसी कुटिया में या वृक्ष के नीचे। हर भिक्खुनी चलते समय या सोते समय एक अन्य भिक्खुनी को साथ रखे जिससे वह एक-दूसरे का ध्यान रखें और एक-दूसरे की रक्षा कर सकें।''

बुद्ध ने आनंद को निर्देश दिया कि 'आनंद इस नियम को सावधानी से समझ लो और वरिष्ठ भिक्खुनियों से कहो कि वे इस नियम को अपने शीलों में सम्मिलित कर लें।'

भवतु सब्बं मंगल।सबका कल्याण हो। सभी प्राणी सुखी हो

प्रस्तुतिः डॉ. एम एल परिहार,जयपुर.

धर्म का सौदा

भगवान बुद्ध एक बार काशी में एक किसान के घर भिक्षा माँगने चले गए। भिक्षा पात्र आगे बढ़ाया। किसान ने एक बार उन्हें ऊपर से नीचे तक देखा। शरीर पूर्णांग था।

संयोग से वह किसान कर्म पूजक था। गहरी आँखों से देखता हुआ बोला, मैं तो किसान हूँ। अपना परिश्रम करके अपना पेट भरता हूँ। साथ में और भी कई व्यक्तियों का। तुम क्यों बिना परिश्रम किए भोजन प्राप्त करना चाहते हो?!

बुद्ध ने अत्यंत ही शांत स्वर में उत्तर दिया मैं भी तो किसान हूँ। मैं भी खेती करता हूँ।' ' किसान ने आश्चर्य से भरकर प्रश्न किया' फिर....अब भिक्षा क्यों माँग रहे हैं?'

भगवान बुद्ध ने किसान की शंका का समाधान करते हुए कहा, क्योंकि वत्स! वह खेती आत्मा की है। मैं ज्ञान के हल से श्रद्धा के बीज बोता हूँ। तपस्या के जल से सींचता हूँ। विनय मेरे हल की हरिस, विचारशीलता फाल और मन नरैली है। सतत अभ्यास का यान, मुझे उस गंतव्य की ओर ले जा रहा है जहाँ न दुःख है न संताप, मेरी इस खेती से अमरता की फसल लहलहाती है।

ऐसे में, यदि तुम मुझे अपनी खेती का कुछ भाग दो....और मैं तुम्हें अपनी खेती का कुछ भाग दूँ तो क्या यह सौदा अच्छा न रहेगा। किसान की समझ में बात आ गई और वह तथागत के चरणों में अवनत हो गया।

करनाल में ऐतिहासिक होगा अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

करनाल । करनाल में अग्रवाल महिला संगठन की बैठक अग्रवाल धर्मशाला भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन की प्रधान गौतम जैन ने की। इस अवसर पर करनाल में 19 मार्च को जैन गर्ल्ज स्कूल में होने वाले अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर विचार विमर्श किया गया। श्रभ्मती जैन ने बताया कि जैन गर्ल्स सीनियर सैकेंडरी स्कूल में 19 मार्च को अग्रवाल युवकयुवती पचिय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें हरियाणा उत्तरपद्रेश दिल्ली तथा आसपास के राज्यों से अभिावक अपने विवाह के लायक बच्चों के साथ भाग लेंगे। आज जब विवाह समारोह में विचोलियों की भूमिका समाप्त हो रही हैं। ऐसे में युवकयुवती परिचय सम्मेलन रिश्तों के लिए एक अनुरूप मंच बनता जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक लोगों को अपने बच्चें को परिचय

सम्मेलन में लेकर आना चाहिए। इस अवसर पर अनीता गुप्ता ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर अनामिका जैन सोनिया जिंदल, रेनू कुच्छल, सुमन जैन, नीलम, अनीता रीना मित्तल, उर्मिल गोयल, मंजू, वर्तिका, कृष्णा , पूनम, सुनीता उपस्थित रहे।

गुरु रविदास कीर्तन दरबार गांव बजीदपुर में 28 मार्च को

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । पिपली खंड के गांव बजीदपुर में जगत गुरु रविदास जी महाराज की कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। प्रबंधक हुक्म चंद ने बताया की 28 मार्च दिन मंगलवार को रात 8 बजे से 11 बजे तक गुरु रविदास धाम बजीदपुर में जगतगुरु सतगुरु रविदास जी महाराज की पवित्र अमृतवाणी का गुणगान किया जाएगा। जिसमे बाबा प्रीत रविदासिया टोहाना वाले संगत को निहाल करेंगे। सभी साध संगत को इस पवित्र कीर्तन दरबार में आमंत्रित किया जाता है।

बाबा साहब डाक्टर भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती मनाने के लिए हुआ विचार विमर्श

गांव अमीन में हुई डॉ. भीम राव अम्बेडकर समाज, सेवा एवं शिक्षा समिति की बैठक

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । गाँव अमीन में श्री गुरु रविदास धर्मशाला में डाक्टर भीम राव अम्बेडकर समाज, सेवा एवं शिक्षा समिति के तत्वाधान में मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए समाजसेवी महिपाल फुले ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से 14 अप्रैल को बाबा साहब डाक्टर भीम राव अंबेडकर की 132वीं जयंती मनाने के बारे में विचार विमर्श किया गया। जयंती मनाने को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में उपस्थित लोगों व पदाधिकारियों ने इस बार बाबा साहेब की जयंती को भव्य रूप से मनाने के लिए संकल्प लिया गया। सभी ने अपने अपने स्तर पर जयंती में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

महिपाल फुले ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता डाक्टर भीम राव अम्बेडकर समाज, सेवा एवं शिक्षा समिति के प्रधान लखी राम ने की, जबकि बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर जीएसटी टैक्स डिप्टी कमिश्नर एन आर फुले रहे। मुख्य वक्ता एन आर फुले ने बैठक में संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक समाज के नहीं बल्कि वे सभी वर्गों के थे। उन्होंने सभी वर्गों को आगे बढाने का काम किया। इसलिए हम सब की जिम्मेवारी बनती है कि बाबा साहेब की जयंती को यादगार ढंग से मनाएं। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों व लोगों से उन्होंने आह्वान किया कि वे बाबा साहेब की शिक्षाओ को जन जन तक पहुंचाने का काम करें और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराएं, ताकि बच्चे शिक्षित होकर आगे बढें।

इस मौके पर एसबीआई बैंक से सेवानिवृत चीफ मैनेजर बनारसी दास, एम आर सरोहा, सतपाल, डॉक्टर पृथ्वी ,राजेश, अजमेर सिंह, लखमी चंद, मनोज, सेवा सिंह , जीत राम , मास्टर राजकुमार, जीत राम, जय किशन, रणपत, रोशन, सुंदर लाल, रिंकू, प्रशांत मौजूद रहे।

धरने को समर्थन देने पहुंचे भीम आर्मी के चीफ मनजीत नौटियाल निजीकरण का विरोध करना देशद्रोह नहीं : नौटियाल

गजब हरियाणा न्यूज

कैथल । जन शिक्षा अधिकार मंच कैथल द्वारा दिया जा रहा धरना आज 167 वें दिन भी जारी रहा। रविवार को धरने को समर्थन देने भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत नौटियाल भी पहुंचे। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत नौटियाल ने कहा कि जिला प्रशासन 8 दिन के अंदर सुरेश द्रविड़ से संबंधित मसले का समाधान करें अन्यथा 8 दिन बाद भीम आर्मी अपने तरीके से यहां पर बड़े आंदोलन की शुरुआत करेगी और उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन कैथल की होगी।

उन्होंने कहा कि निजीकरण का विरोध करना देशद्रोह नहीं हो सकता और निजीकरण के विरोध की आवाज को राजद्रोह जैसे मुकदमे दर्ज करके नहीं दबाया जा सकता। सुरेश द्रविड़ बहुजन समाज की धरोहर है।

हरियाणा सरकार सुरेश द्रविड़ पर दर्ज एफआईआर तुरंत रद्द करे और मुख्याध्यापक सतबीर गोयत को तुरंत बहाल करे तथा लड़कियों के बंद किए गए स्कूलों को दोबारा खोले अन्यथा भीम आर्मी बड़े पैमाने पर आंदोलन करने पर मजबूर होगी और इसके लिए यहां का जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा। आज उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष सुभम थम्बड़, मनोज बौद्ध, राजेश बाबा लदाणा, रामेश्वर किठाना, रामनिवास मुवाल, गुरदेव जांगड़ा, इंद्र सिंह धानिया, जोगेंद्र कश्यप, सुरेश द्रविड़, सुनील कुमार, कमलकांत वर्मा, श्याम मांडी, शमशेर कालिया, बिजेंद्र राठी,अशोक, वीरभान आदि भी उपस्थित थे।

राईस मिलर्स व आढती एसोसिएशन की हुई बैठक बैठक में आगामी सीजन को लेकर हुआ विचार और रखे सुझाव

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन व राईस मिलर्स की बैठक में आगामी सीजन को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में शामिल राईस मिलर व आढतियों ने अपने अपने विचार व सुझाव रखे। पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन के महासचिव धर्मपाल मथाना ने बताया कि बैठक में पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन के प्रधान अमीर चंद, उप प्रधान मोहित गर्ग, अजय सैनी, कोषाध्यक्ष पवन मदान, कार्यकारिणी सदस्य बनारसी दास के अलावा हरियाणा राईस मिलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन ज्वैल सिंगला, राजेंद्र गुप्ता, विवेक, गगन झांब, दीपक, नरेंद्र ढींगडा, जगदीश, अमृत गर्ग, नरेश मित्तल, सौरभ गुलियानी, ओमप्रकाश, सुभाष मित्तल, अमर सिंह राही, भूषण जिंदल शामिल हुए।

पिपली अनाजमंडी आढती एसोसिएशन के प्रधान अमीर चंद ने सभी राईस मिलर्स का स्वागत किया। उन्होंने राईस मिलर्स से अपील की कि आने वाले सीजन में सभी राईस मिलर्स फसल खरीद के दौरान आढतियों व किसानों का सहयोग करें, बल्कि एसोसिएशन भी राईस मिलर्स का खरीद में सहयोग करेगी। हरियाणा राईस मिलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन ज्वैल सिंगला सहित सभी राईस मिलर्स ने सुझाव रखते हुए कहा कि किसान मंडी में फसल सुखाकर लाएं, ताकि किसान को फसल का पूरा दाम मिले। नमी वाली फसल को किसान मंडी में लेकर ना आएं। इससे खरीद में दिक्कत आती है। उन्होंने मंडी के आढतियों से अपील की कि वे किसानों को इस बारे में जागरूक करें कि जब भी मंडी में फसल बेचने के लिए लेकर आएं, उसे सुखा कर ही लाएं। इससे एक ओर जहां खरीद के दौरान कोई दिक्कत नहीं आएगी तो दूसरी ओर किसान को भी उसकी मेहनत के पूरे दाम मिलेंगे।

एसोसिएशन के महासचिव धर्मपाल मथाना ने राईस मिलर्स को आश्वासन दिया कि एसोसिएशन अपने तौर पर किसानों को ऐसा करने के लिए जागरूक करेगी।

पंचायतों में ई टैंडरिंग प्रणाली से पारदर्शी व्यवस्था लागू होगी : शिक्षा मंत्री

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर ।हरियाणा भाजपा सरकार के स्कूल शिक्षा, पर्यटन, वन व संसदीय कार्य मंत्री कंवरपाल ने जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में लगातार चौथे दिन अपना जनसंवाद कार्यक्रम जारी रखते हुए गांव बलौली, चुहडपुर, शेरपुर, ऊर्जनी, तारूवाला, डमौली, हडौली खानपुर आदि गांवों में पहुंचे। उन्होने ग्रामीणों के साथ जनसंवाद करते हुए कहा कि आज भाजपा सरकार द्वारा हरियाणा में सरकारी और गैर सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में नये अवसरों की संभावना लगातर बढ़ रही है। हरियाणा में इनोवेशन और रिसर्च को बढावा देने से भी रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। उन्होने कहा कि पिछली विपक्षी सरकारों के शासनकाल में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार सरकारी नौकरियों में होता था लेकिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के लगभग 8 वर्ष 6 माह के शासन के दौरान युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरियां पूरी पारदर्शिता के साथ बिना किसी भेदभाव एवं भाई-भतीजावाद को दरकिनार करके युवक-युवतियों को दी जा रही है। राज्य में बेरोजगारी पर वार कर, हर व्यक्ति को रोजगार देने पर फोकस किया गया। उन्होने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने युवा कल्याण के लिए विशेष कदम उठाया है और भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए ग्रुप सी व ग्रुप डी की भर्तियों में साक्षात्कार को समाप्त किया व जिस परिवार का कोई भी व्यक्ति सरकारी नौकरी में नहीं हैं उस परिवार के व्यक्ति को 5 अंक अतिरिक्त दिए गए। उन्होने कहा कि सरकारी नौकरी के लिए बार-बार आवेदन करने व फीस भरने से छुटकारा दिलाते हुए एकल पंजीकरण की सुविधा प्रदान की। इसके अलावा युवाओं के कल्याण के लिए अनेकों योजनांए एवं नीतियां बनाई गई है, जिनका सीधा-सीधा लाभ हरियाणा के युवाओं को मिल रहा है।

उन्होने बताया कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए फ्री कोचिंग की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए सुपर-100 की शुरूआत की है जो अब बढ़कर सुपर-600 हो गया है। हरियाणा राज्य के सरकारी स्कूलों में पढने वाले छात्र इसमें भाग ले सकते हैं। उन्होने बताया कि सुपर-600 कार्यक्रम के तहत सरकारी विद्यालयों के चयनित छात्रों को मुफ्त कोचिंग की सुविधा और उच्च शिक्षा से जुड़ी सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इसके अलावा एनईईटी और जेईई में अध्ययन करने के इच्छुक छात्रों को मुफ्त रहने की सुविधा के साथ-साथ छात्रों को मुफ्त बोडिंग और लॉन्चिग की सुविधा भी उपलब्ध है। निजी क्षेत्र में युवाओ को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेशभर में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाता है।

उन्होने कहा कि भाजपा सरकार की ई-टैंडरिंग प्रणाली से अधिकांश नागरिक व सरपंच सहमत है, पंचायत में ई-टेंडरिंग प्रणाली लागू होने से पारदर्शी व्यवस्था बनेगी व भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। भाजपा सरकार ने लगभग 1100 करोड़ रुपये की ग्रांट सीधे हरियाणा राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के लिए भेज दी है। उन्होने वर्ष 2024 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा लगातार तीसरी बार भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर कुष्ठ रोग का नि:शुल्क किया जाता है ईलाज : राहुल हुड्डा

कुष्ठ रोग के लक्षण नजर आने पर तुरंत डॉक्टर से करें सम्पर्क

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर । सरकार नागरिकों की मदद के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। आर्थिक सहायता के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी पूरा जोर दे रही है। सरकार अनेक स्वास्थ्य शिविर लगाकर नागरिकों को जागरूक कर रही है। इसी कड़ी में जिला को कुष्ठ मुक्त करने के लिए सभी नागरिक अपना योगदान दें। कुष्ठ रोग का ईलाज पूरी तरह संभव है। कुष्ठ रोग का ईलाज सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क किया जाता है। किसी भी व्यक्ति में कुष्ठ रोग के लक्षण नजर आने पर तुंरत डॉक्टर से संपर्क करें।

उपायुक्त राहुल हुड्डा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के तहत कुष्ठ रोग का ईलाज सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क किया जाता है। डीसी ने कहा है कि कुष्ठ रोग का समय पर ईलाज शुरू करने पर व्यक्ति में विकलांगता नहीं होती है। कुष्ठ रोग के लक्षण नजर आते ही यथाशीघ्र स्वास्थ्य केंद्रों पर सम्पर्क करें। कुष्ठ रोग के लक्षणों में चमड़ी पर पीले, लाल या ताम्बी रंग के धब्बे, जिनमें सुन्नपन हो, चेहरे, कान या शरीर के किसी भाग की त्वचा लाल और मोटी हो गई हो तथा सूजन या छोटी-छोटी गांठे हो गई हो तो ऐसा कोई भी लक्षण नजर आने पर इसे अनदेखा न करें बल्कि तुरंत सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर से सम्पर्क कर नि:शुल्क पूर्ण ईलाज करवाएं। डीसी ने जिलावासियों का आह्वान किया है कि वे जिला को कुष्ठ मुक्त करने के लिए अपना पूरा सहयोग दें।

देश की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई की पुण्यतिथि पर अंबेडकर भवन में किया गया कार्यक्रम आयोजित

माता सावित्री बाई फुले ने देश में जगाई शिक्षा की अलख पाया प्रथम शिक्षिका का सम्मान : पी कुमार

पुण्यतिथि पर अंबेडकर भवन में समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को किया सम्मानित

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त एवं सचिव अमनीत पी कुमार आईएएस ने कहा है कि सावित्री बाई फुले ने समाज से बहिष्कार और घृणा का सामना करने के बावजूद शिक्षा की लगातार अलख जगाई और उन्होंने लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया और देश की पहली महिला शिक्षक होने का गौरव प्राप्त किया। आज जरूरत है हमे उनके बताए हुए संदेश और शिक्षाओं को आगे बढाने की, ताकि समाज में जो कमियां रह गई हैं, उन्हें दूर किया जा सके। वे बृहस्पतिवार को सेक्टर 8 स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में भारत रत्न डॉ. बी आर अंबेडकर वेलफेयर कमेटी द्वारा आयोजित सावित्र बाई फुले की पुण्यतिथि पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रही थी।

उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर और सावित्री बाई फुले और अन्य कई लोगों ने समाज को आगे बढाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन अभी भी समाज में कई कमियां हैं और समाज में दूरियां भी बढी हैं। समाज में भले ही साधन संपन्न लोग हैं, लेकिन इसके बावजूद भी समाज को अभी आगे बढाने की जरूरत है। उन्होंने डॉ. रामभगत लांगयान द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से अंबेडकर भवन बना है और यहां पर छात्रावास में रह रहे बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। इससे पूर्व डॉ. रामभगत लांगयान ने मुख्यातिथि अमनीत पी कुमार आईएएस व अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए सावित्री बाई फुले के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कितनी विषम परिस्थितियों में सावित्री बाई फुले ने खुद शिक्षा प्राप्त की और फिर उन्होंने शिक्षा की अलख जगाने का काम किया। भले ही सावित्री बाई फुले का नौ वर्ष की आयु विवाह हो गया था, लेकिन 18 वर्ष की आयु में उन्होंने बालिकाओं को पढाने का कार्य शुरू कर दिया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही हायर एजूकेशन से सेवानिवृत डिप्टी डायरेक्टर सरोज बाला गुरे और रिटायर्ड शिक्षा शिक्षा अधिकारी संतोष ग्रोवर ने अपने संबोधन में सावित्री बाई फुले को समाज सुधारक और कवियित्री बताते हुए कहा कि उनके योगदान को नहीं भुलाया जा सकता।

कार्यक्रम में डॉ. राजबाला ने कहा, की आज हम माता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि मना रहे हैं और उनको हमारी सच्ची श्रद्धांजलि वही होगी जब हम उनके बताए रास्ते पर चलेंगे । उन्होंने उन कठिन परिस्थितियों में संघर्ष किया जब महिलाओं को कोई अधिकार प्राप्त नहीं थे। आज हमें जो पद मिल रहें हैं वो सब उनकी ही बदौलत है कि हम सिर ऊंचा कर जी पा रहे हैं।

प्रो. निर्मला चौधरी ने कहा, की माता सावित्रीबाई फुले जी के अथक प्रयासों की वजह से आज हम आलीशान भवनों में बैठे हुए हैं। उनकी मेहनत के कारण ही हमें आज ऐसा वातावरण मिला। हमने देखा कि उन्होंने अपने जीवन में कितना कुछ सहा, जिसकी कोई सीमा नहीं है। मैं पितृशक्ति से कहना चाहती हूं कि नारी का ' हर दिन हर पल ' उसका अपना हो, केवल एक दिन ही ना हो। नारी के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। सावित्री बाई फुले को क्रान्तिज्योति कहा गया है जिसका का अर्थ क्रांति का प्रकाश करने से है । जब हम इतिहास पर गर्व करते हैं तो वर्तमान अच्छा होता है । और भविष्य की हमें चिंता नहीं करनी चाहिए। माता सावित्री भाई फुले ने उस समय में संघर्ष किया जब ब्राह्मणवाद का जोर था जो कि अभी भी भिन्न-भिन्न रूपों में मौजूद है। जब भी मैं किसी तरह का कोई भेदभाव देखती हूं तो मुझे बाबा साहब की याद आती है और मैं जोश से भर जाती हूं। मेरे अंदर साहस आता है कि मैं हर तरह के व्यक्ति, वो चाहे किसी भी जाति से है अगर किसी तरह से पीड़ति है तो उसकी मदद करूं । हमारा देश पहले अंग्रेजों के अधीन बेशक, आज देश को आजाद हुए सत्तर साल हो गए हैं लेकिन हर जगह शिक्षा, नौकरी जातिवादी मानसिकता देखने को मिलती है इसे दूर करने के लिए हमें एकजुट होकर रहने की आवश्यकता है।

अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। अंबेडकर भवन कमेटी की ओर से मुख्यातिथि व अन्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं समाजसेवा के क्षेत्र में काम करने वाली अनेकों महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता सरोहा, प्रो. उषा रानी, सीडीपीओ नीतू, केसी रंगा, हरि सिंह, जे एस सोलखे, जिले सिंह सभ्रवाल, श्याम लाल, डॉ कर्मवीर, डॉ. अजमेर सिंह, रामबीर राठी, चांद राम आदि मौजूद रहे।

गांवों के अंदर लघु उद्योग लगाने के लिए बढावा दे सरकार

जीडीपी में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी होने के बावजूद भी एमएसएमई की हालत देश व प्रदेश में बहुत खस्ता : बजरंग गर्ग

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व अखिल भारतीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव बजरंग दास गर्ग ने कहा है कि गांवों के अंदर लघु उद्योग लगाने के लिए सरकार बढावा दे, ताकि गांवों में लोगों को रोजगार मिल सके। गांवों के अंदर लघु उद्योग धंधे बंद होने के कारण रोजगार खत्म हो गए हैं। इसलिए अगर व्यापार व उद्योग धंधों को जिंदा रखना है तो मध्यमवर्गीय उद्योगों को बढावा देना होगा। वे रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव समानी के समीप स्थित एक निजी होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई का जीडीपी में 30 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद भी एमएसएमई की हालत देश व प्रदेश में बहुत खस्ता हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा है। इसी के चलते देश व प्रदेश में छोटे, मध्यम व लघु उद्योग भारी संख्या में बंद हुए है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की गलत नीतियों से तो प्रदेश में बड़ी संख्या में लघु उद्योग बंद हो चुके हैं और कई उद्योग धंधे नो प्रॉफिट नो लॉस में चल रहे हैं। लघु उद्योग धंधे बंद होने के कारण ही लाखों लोग बेरोजगार हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार बेरोजगारों को रोजगार देना चाहती है तो एमएसएमई के नियमों को सरल करते हुए ज्यादा से ज्यादा रियायतें दी जाए। ताकि देश व प्रदेश में छोटे व मध्यम उद्योगों को बढ़ावा मिल सके।

उन्होंने कहा कि व्यापारियों के साथ दिन प्रति दिन ऑनलाइन फ्रॉड बढ़ता जा रहा है। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक देश व प्रदेश में हर रोज कम से कम 100 करोड़ रुपए का फ्रॉड हो रहा है। मगर सरकार हर रोज हो रहे इतने बड़े फ्रॉड को रोकने के लिए कोई भी कारगर कदम नहीं उठा रही है।

बजरंग गर्ग ने कहा कि प्रदेश में व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा दिलाना हमारा मुख्य उद्देश्य है और बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए व्यापार मंडल द्वारा रोजगार मेला लगाया जाएगा। सरकार को भ्रष्टाचार पर नकेल डालने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसा कोई भी विभाग नहीं है, जहां पर रिश्वत के बगैर काम होता है। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी सरकारी अधिकारी ने व्यापारी को तंग करने की कोशिश की तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ व्यापार मंडल प्रदेश में आंदोलन छेडने से हिचकिचाएगा नहीं। उन्होंने कहा कि खेती में उपयोग आने वाली दवाई, बीज व खाद पर किसी प्रकार का टैक्स नहीं होना चाहिए जबकि सरकार ने इन पर जीएसटी लगा रखा है जो उचित नहीं है। इससे पूर्व प्रदेश व्यापारियों की बैठक में बजरंग दास गर्ग ने व्यापारियों की मांगों की वकालत की और कहा कि वे व्यापारियों के साथ खड़े हैं। अगर उन्हें कोई अधिकारी तंग करेगा तो व्यापार मंडल उसका कड़ा विरोध

करेगा। व्यापार मंडल प्रदेश सचिव उमेश गर्ग ने प्रदेश के व्यापारी प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

इस मौके पर व्यापार मंडल के प्रदेश उप प्रधान केवल खरबंदा, अंबाला जिला प्रधान नीरू वढेरा, प्रदेश प्रवक्ता राजेश सिंगला, प्रदेश युवा प्रभारी राहुल गर्ग, यमुनानगर जिला प्रधान अनिल भाटिया, प्रदेश संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल, प्रदेश सह सचिव निरंजन गोयल, प्रदेश प्रचार मंत्री राजीव गुप्ता कैथल, प्रदेश संगठन मंत्री प्रवीण गर्ग पलवल, प्रदेश युवा सचिव कृष्ण कुमार पंचकूला, राकेश अग्रवाल, विकास मित्तल, सत्यपाल बंसल, राज कुमार, राकेश अग्रवाल, विकास मित्तल कुरुक्षेत्र आदि प्रतिनिधि भारी संख्या में मौजूद थे।

डॉ. राज रूप फुलिया (30 मार्च) जन्मदिन पर विशेष

विशेष शख्शियत है डॉ. राजरूप फुलिया

पूरे भारत का भ्रमण कर दे चुके मानवता का संदेश

संक्षिप्त जीवन परिचय

हरियाणा राज्य के जिला पानीपत स्थित गांव अटावला में सन 1954 में जन्मे डॉ. राज रूप फुलिया का हरियाणा कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी के रूप में नौकरशाही में एक विशिष्ट कैरियर रहा। वे सन 2014 में अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार के पद से सेवानिवृत्त हुए।

बचपन और शिक्षा : आपके पिताजी का नाम श्री संत राम और माताजी का नाम श्रीमती भारती देवी था। दोनों ही भारतीय संस्कृति के उदात्त स्वरूप तथा मानवीय मूल्यों में गहरी आस्था रखते थे तथा उन्होंने बच्चों को भी ऐसे ही श्रेष्ठ संस्कार दिए । परिवार आर्यसमाज की विचारधारा से प्रभावित था और संतशिरोमणी गुरु रविदास , सतगुरु कबीर आदि महापुरुषों की शिक्षाओं पर चलकर, अंधविश्वास तथा पाखंड से दूर था। बालक राजरूप बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि थे और पढ़ाई में बहुत रुचि रखते थे । आपने गांव के सरकारी स्कूल से आठवीं की परीक्षा पास की और पड़ोसी गांव अदियाना के उच्च विद्यालय से दसवीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की। बड़े भाई अनूप सिंह भारतीय वायु सेना में कार्यरत थे और वे आगे किसी नौकरी की तलाश में बड़े भाई के पास दिल्ली चले गए और सीमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया में नौकरी कर ली। शीघ्र ही बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क की नौकरी मिल गई। मगर आपने पत्राचार से पढ़ाई जारी रखी तथा सांध्य कालेज से बी. कॉम. और फिर एम .कॉम. परीक्षाएं पास की। इसी बीच बैंक में अधिकारी के रूप में पदोन्नति हो गई पर जल्दी ही वर्ष 1980 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा पास कर इंडियन इकोनॉमिक सर्विस में आ गए। एक वर्ष प्रशिक्षण प्राप्त करते-करते वर्ष 1981 में भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (IRPS) में चयन हुआ और प्रशिक्षण पर रहे। सन 1983 में IAS में चयन हुआ तथा हरियाणा कैडर मिला और LBSNAA, मसूरी में प्रशिक्षण के बाद पहली नियुक्ति उप मंडल अधिकारी , (सिवानी) जिला भिवानी में हुई । एक वर्ष के बाद अतिरिक्त उपायुक्त के रूप में फरीदाबाद नियुक्त हुए और बाद में राज्य की राजधानी चंडीगढ़ में मुख्य सचिवालय में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे। सन 1990 में उनको हाल ही में निर्मित जिला यमुनानगर का उपायुक्त बनाया गया। आप सन 1993 – 1994 के दौरान जिला महेंद्रगढ़ (मुख्यालय नारनौल) के उपायुक्त भी रहे। उनके द्वारा वहां किए गए कार्यों में नारनौल स्थित प्रसिद्ध स्मारक जलमहल की अनेक वर्षों से भरी हुई मिट्टी को निकालने का काम स्वयं अपने श्रमदान से और छात्रों तथा ग्रामीणों के सहयोग से पूरा करना उल्लेखनीय है। डॉ. फुलिया सन 2005– 2006 में मंडलायुक्त, हिसार के रूप में कार्यरत रहे जहां उन्होंने दो विश्वविद्यालयों – गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार और चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति और अग्रोहा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के चेयरमैन का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। उन्होंने हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त और गृह, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परिवहन, आवास, पर्यावरण, अभिलेखागार आदि जैसे अन्य विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया। उनको सन 1998 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भारत सरकार के खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में उपभोक्ता मामलों के विभाग में निदेशक (प्रवर्तन) के रूप में नियुक्त किया गया जहां उन्होंने बखूबी काम किया और अपनी पारदर्शिता तथा कार्यकुशलता की छाप छोड़ी। डॉ.राजरूप फुलिया पर्वतारोहण और ट्रेकिंग, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, युवाओं की शिक्षा और अधिकारिता, बालिकाओं और महिला कल्याण, जैविक खेती, जल संरक्षण आदि में गहरी रुचि रखते हैं। आपने जैविक खेती के विकास और प्रोत्साहन के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। घुड़सवारी में भी उनकी विशेष रुचि है और उन्हें लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में अपने आईएएस प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ घुड़सवार घोषित किया गया था।

डॉ. फुलिया की पढ़ाई में गहरी रुचि है और सेवानिवृत्ति के बाद भी आपने MA(अर्थशास्त्र) और MBA की डिग्रियां प्राप्त की हैं और अब भी आप MA (दर्शन शास्त्र) की पढ़ाई कर रहे हैं।

छात्रों को प्रेरित कर रहे, प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया

डॉ. राजरूप फुलिया ग्रामीण छात्रों को उनकी पढ़ाई में बेहतरी के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित कर रहे हैं और कमजोर वित्तीय पृष्ठभूमि वाले लोगों की मदद भी कर रहे हैं। उनकी पहल पर कुरुक्षेत्र में हरियाणा के चार सौ से अधिक मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए 10 जुलाई को 2022 को कुरुक्षेत्र में एक विशेष प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस प्रतिभा सम्मान समारोह में हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. महावीर सिंह और अंबाला मंडल की आयुक्त श्रीमती रेणु फुलिया एवं डॉ. राजरूप फुलिया, IAS (retd) , पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार द्वारा दसवीं और बारहवीं कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इनके प्रयासों से ही गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला कुरूक्षेत्र में लाईब्रेरी की स्थापना हुई। जो फूल ए.सी. युक्त है। विशेष कोर्स कार्यक्रम शुरू करने के प्रयास भी जारी हैं।

130 दिन 55 घंटे में 48,554 किलोमीटर का सफर, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में हुआ दर्ज

डॉ फुलिया की ड्राइविंग में भी विशेष रुचि है तथा उन्होंने अपनी मारुति कार से पूरे भारत का अनेक बार भ्रमण किया है। 1994 माडल मारुति जेन कार से पांच बार भारत की सैर कर चुके हैं। इनमें सबसे बड़ी यात्रा 2004 में रही जिसमें वे 54 दिनों में पूरे भारत के 29 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य शहरों में गए और 18,666 किलोमीटर दूरी कवर की। अलग अलग यात्राओं में कई छोटे शहरों को कवर किया। सन 2004 में 15 दिन में 6250 किलोमीटर की यात्रा जो बेंगलुरु से कन्याकुमारी और फिर इंडिया के वेस्ट कोस्ट के साथ कन्याकुमारी से वैष्णो देवी तक रही। सन 2007 में 30 दिन की यात्रा में (11877 किलोमीटर) में देश के लगभग सभी प्रमुख ज्योर्तिमठ और धाम को कवर किया। सन 2007 में ही दूसरी यात्रा 31 दिन की रही (8761 कि.मी.) जिसमें नेपाल, भूटान और सभी 7 नॉर्थ-ईस्टर्न राज्य कवर किए। सन 2013 में 55 घंटे में (3000 कि. मी.) चंडीगढ़ से कन्याकुमारी की यात्रा की। इस तरह डॉक्टर फुलिया ने सन 2004 से 2013 तक 130 दिन 55 घंटे में कुल 48,554 किलोमीटर का सफर तय किया। इस एडवेंचर के लिए इन्हें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सम्मानित भी किया था। आप नॉर्थ इंडिया के सबसे ऊंचे दर्रों को भी ट्रेकिंग के जरिए कवर चुके हैं। इनमे एक महीने की कैलाश- मानसरोवर की यात्रा भी शामिल है।

चार साल में 1,01,111 गानों का रिकार्ड बनाया जो इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ

डॉ. फुलिया को संगीत में भी गहरी दिलचस्पी है उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद गायन में विशेष रुचि के चलते सिंगिंग ऐप स्टार मेकर और एस म्यूल में गाने रिकॉर्ड करने शुरू किए और चार साल में 1,01,111 गानों का रिकार्ड बनाया , जो इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ। उन्होंने 30 जून 2022 को सिंगिंग ऐप्स में सिंगिंग के चार साल पूरे किए जो इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने 25 विदेशी भाषाओं सहित 52 भाषाओं में 1,01,111 गानों की रिकॉर्डिंग के साथ छठे रिकॉर्ड के रूप में स्वीकार किया।

बीपीएल परिवारों को मकान मरम्मत के लिए दी जा रही है 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद : उपायुक्त

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल, उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा सभी बीपीएल परिवारों को डॉ. बी.आर अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक यह लाभ केवल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवारों को ही दिया जा रहा था लेकिन पिछले वर्ष हरियाणा सरकार ने योजना में बदलाव करते हुए इसमें सभी बीपीएल परिवारों को शामिल करने का निर्णय लिया था। उन्होंने बताया कि सरकार ने योजना के तहत लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने के साथ साथ योजना के तहत मिलने वाली राशि को भी 50 हजार से बढ़ाकर 80 हजार किया था।

उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि हरियाणा सरकार की यह आवास नवीनीकरण योजना अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तथा बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को इस योजना के लिए पात्र बनाया गया है। उन्होंने उपरोक्त योजना के नियम शर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि यदि पहले मकान निर्माण के लिए या अपने समय के निर्मित मकान को बनाए हुए 10 साल या इससे अधिक समय हो गया हो तथा मकान मरम्मत के योग्य हो तभी आप इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

सरकारी प्रवक्ता ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए पात्रता संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए तथा आवेदनकर्ता का नाम बीपीएल सूची में दर्ज होना चाहिए। आवेदनकर्ता को अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तथा बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को बीपीएल परिवार होने का अपना जाति प्रमाण पत्र दिखाना अनिवार्य है। आवेदनकर्ता का अपना घर होना चाहिए। घर कम से कम 10 साल पुराना होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रार्थी की परिवार आईडी, बीपीएल राशन कार्ड नंबर, राशन पत्रिका, एससी, बीसी जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक खाता संख्या, मोबाइल नंबर, घर के साथ फोटो, बिजली बिल-हाउस रजिस्ट्री-पानी बिल में से कोई भी दो, मकान की मरम्मत पर अनुमानित खर्च का प्रमाण जैसे कागजात जरूरी है।

ऐसे करें आवेदन

आवेदक को सबसे पहले haryanascbc.gov.in (हरियाणाएससीबीसी.जीओवी.इन) से फॉर्म डाउनलोड करके उसे भरना है और उसको सरपंच या फिर पार्षद से सत्यापित करवाना होगा। फॉर्म के साथ में ऊपर बताए गए सभी दस्तावेज लगाने अनिवार्य है। उसके बाद ये फॉर्म आपके नजदीकी सीएससी सेटर से ऑनलाइन करवाना है। ऑनलाइन करवाने के बाद आपको ये फार्म जिले के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में जमा करवाना है। कोई भी गलत जानकारी न भरें। डॉक्यूमेंट की कॉपी साथ लगाएं, जिससे आपके काम में कोई अड़चन न आए।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311